सांध्य दैनिक

4PM

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-अशोक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 275 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 13 नवम्बर, 2025

भारत-अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट... 7 | महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर लगेगा... 3 | भाजपा सबको भ्रमित कर रही... 2

फिल्मी गुस्सा और सियासी शक, उठा रहे हैं सवाल

पलटने लगे एग्जिट पोल के नतीजे अब बिहार में तेजस्वी सरकार

» धमेन्द्र की खबर और गलत एग्जिट पोल से लोगों के निशाने पर आया मीडिया

» हेमा मालिनी के बाद सनी देओल का गुस्सा आया बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। धर्मेन्द्र की झूठी मौत की खबर उछालने वाली वही मीडिया अब बिहार चुनाव के नतीजों के एग्जिट पोल में अपने ही झूठ के मलबे तले दब गयी है। जैसे धर्मेन्द्र के जिंदा होने ने मीडिया को झटका दिया वैसे ही बिहार के ताजा एक्जिट पोल ने न्यूज चैनलों की स्क्रिप्ट उलट दी है।

कल तक जो एग्जिट पोल एनडीए को बढ़त दे रहे थे आज वही तेजस्वी यादव की सरकार बनती बता रहे हैं। हेमा मालिनी के गुस्से के बाद आज सनी देओल का ढाई किलो का हाथ उठ गया है और इस बार किसी फिल्मी विलेन पर नहीं बल्कि उन न्यूज चैनलों पर उठा है जिन्होंने उनके पिता की मौत की अफवाह को ब्रेकिंग न्यूज बना दिया था। धर्मेन्द्र के नाम पर झूठ बेचने वाली पत्रकारिता और बिहार के नाम पर अनुमान बेचने वाली राजनीति दोनों ही इस दौर में एक जैसी हो चली हैं जहां सच्चाई की मौत भी एक इवेंट है और अफवाहें ही हेडलाइन।

"वह झूठी खबरें परोसना बंद करे नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"
सनी देओल

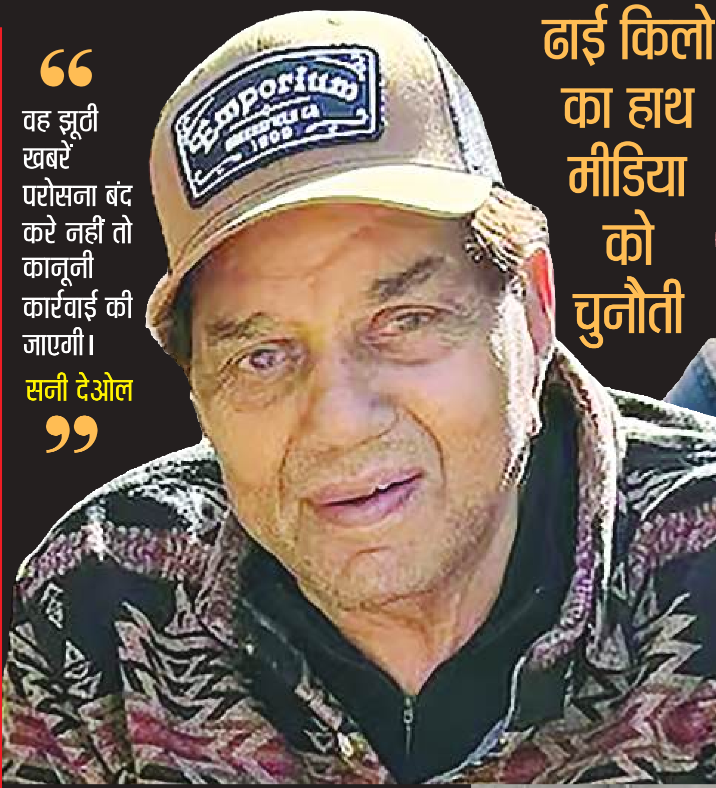

ढाई किलो का हाथ मीडिया को चुनौती

मीडिया पर सनी देओल का गुस्सा सांतवें आसमान पर

पिता की मौत की झूठी खबरें परोसने वाले मीडिया पर एक्टर और सांसद सनी देओल का ढाई किलो का हाथ उठ गया है और उन्होंने सीधे मीडिया को धमकाया है कि वह झूठी खबरें परोसना बंद करे नही तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सनी देओल सिर्फ अभिनेता या सांसद नहीं हैं वह उस दौर की आवाज हैं जब सिनेमा में ईमानदारी और संवाद का वजन होता था। उनका ढाई किलो का हाथ अब एक डायलॉग नहीं बल्कि मीडिया पर तमाचा बन चुका है। धर्मेन्द्र के प्रति झूठी संवेदना और बिहार के चुनाव में झूठे विश्लेषण दोनों ही एक ही बीमारी के लक्षण हैं, सत्य की जगह सनसनी। कई वरिष्ठ पत्रकारों ने भी माना है कि धर्मेन्द्र प्रकरण ने मीडिया को शर्मसार किया है। एक पूर्व संपादक ने कहा कि हम पहले मौत की खबर की पुष्टि करते थे लेकिन अब उसके व्यूज गिनते हैं।

बिहार चुनाव में भी मीडिया की जल्दबाजी दिखी

मीडिया की वही जल्दबाजी अब बिहार के एग्जिट पोल में भी दिख रही है। कुछ चैनलों ने तो बिना देर किये बिहार में एनडीए की स्पष्ट बहुमत की सरकार बना के सीएम की शपथ भी करा दी। वहीं मतदान के बाद की धुंध छटने के बाद स्पष्ट तस्वीर सामने आ रही है। बाकी जो नये सर्वे और पोल आ रहे हैं उनमें महागठबंधन की जीत दिखाई जा रही है। बिहार के पत्रकार इन सर्वो से नाराज है और कह रहे रहे हैं कि हम लोग यहां जमीन पर पसीना बहा रहे हैं और दिल्ली/मुंबई के स्टूडियो में बैठे लोग स्क्रीन पर सरकारें बना गिरा रहे हैं। यानी बिहार की राजनीति अब सिर्फ जनता के वोट से नहीं मीडिया की स्क्रिप्ट से भी तय होने लगी है। और यही कारण है कि जनता अब चैनलों को शंका की नजरों से देख रही है।

तेजस्वी का आत्मविश्वास एनडीए की चिंता

तेजस्वी यादव ने एक्जिट पोल पर कहा है कि हमने नतीजों की तैयारी की है न कि अंदाजों की। उनकी यह पंक्ति पूरे परिदृश्य का सार है। तेजस्वी के लिए यह चुनाव सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं विश्वसनीयता बनाम प्रचार की जंग है। वहीं एनडीए के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। जदयू के नेता चुप हैं भाजपा के चेहरे थके हुए दिख रहे हैं और लोजपा (रामविलास) अपने ही अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि इस बार बिहार का जनादेश सियासत से ज्यादा आवाज का है। लोग मीडिया की चमक दमक नहीं अपने दर्द का समाधान खोज रहे हैं।

थैंक्यू बिहार वासियों शांतिपूर्ण मतदान के लिए

बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने चुनाव प्रक्रिया के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि बिहार की जनता के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने का क्षण है। दूसरे और अंतिम चरण का मतदान भी शांति और सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। इसके लिए हम सरकार की ओर से बिहार के मतदाताओं को तहे दिल से धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी मंदिर जाकर ईश्वर के प्रति आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबसे पहले हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां शीश नवाया। इसके बाद उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेका और अंत में पीर शाह की मजार पर जाकर प्रदेश में अमन-चैन और जनता के उज्जवल भविष्य की कामना की। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि जनता में यह जिज्ञासा रही कि मुख्यमंत्री चुनाव परिणाम से पहले देवालयों का रुख क्यों कर रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार का यह दौरा राज्य में शांति और सफल चुनाव प्रक्रिया के प्रति उनका आभार व्यक्त करने का प्रतीक है।

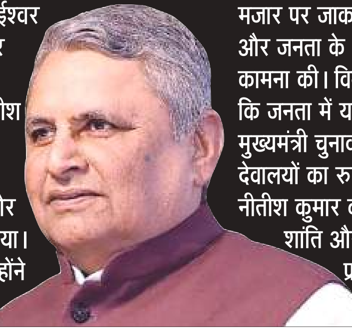

भाजपा सबको भ्रमित कर रही है : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- बीजेपी सरकार से जनता सवाल ना पूछ पाये इसके लिए एसआईआर में उलझा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम ने आरोप लगाया है कि बीजेपी जानबूझ कर साजिश कर रही है जिससे आम जनता, पार्टियां और कार्यकर्ता इतना दिग्भ्रमित रहें कि वे मतदाता सूची में नाम डलवाने में ही व्यस्त रहें और बीजेपी सरकार से जनता सवाल ना पूछ पाये।

उन्होंने सरकारी अधिकारियों पर बीजेपी के पक्ष में मत सुनिश्चित करने के लिए काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग से शिकायत करेगी, अधिकारियों की कमियां उजागर करेगी और राजनीतिक दलों का सहयोग नहीं कर रहे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चुनाव आयोग से मांग करेगी। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए खुफिया तंत्र की विफलता का आरोप लगाया और संबंधित विभागों से जवाबदेही की मांग की(यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हमने भूटान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बयान सुना, जहां उन्होंने आश्वासन दिया था कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि बार-बार खुफिया तंत्र की विफलताएं क्यों हो रही हैं? ऐसी चूक के लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने कहा कि सरकार को या तो इन विफलताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए।

बीजेपी ने 2022 के विस चुनाव में बेईमानी की

सपा प्रमुख ने कहा कि बीजेपी नकारात्मक राजनीति करती है और धोखा देती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में बेईमानी की, मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया। यादव ने कहा कि बेईमानी की जड़ निर्वाचन आयोग में है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

मुख्यमंत्री की भाषा सांप्रदायिक हो गई है

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा सांप्रदायिक हो गई है। मुख्यमंत्री को जब लगता है कि आम जनता, भाजपा के लोग और विधायक उनके खिलाफ हैं, तो वे घबरा जाते हैं। जैसे ही मुख्यमंत्री की कुर्सी हिलने लगती है, वैसे ही वे सांप्रदायिक भाषण देना शुरू कर देते हैं। साथ ही एसआईआर पर फिर कहा कि वोट खत्म हुआ तो राशन की सुविधा भी खत्म हो जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री का विजन इंडिया और न्यू इंडिया से कोई लेना-देना नहीं है। प्रदेश सरकार को स्टार्टअप में क्या करना है, उन्हें इसका भी नही पता। एआई के बारे में भी जानकारी नहीं। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चौपट हो गई हैं।

बिजली विभाग को बेचना चाहती है भाजपा सरकार

भाजपा सरकार बिजली विभाग को बेचना चाहती है। मंडियों को बेच दिया। कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट बर्बाद कर दिया। अमूल का कोई प्लांट नहीं ला पाए। पराग दुग्ध को बर्बाद कर दिया। किसानों को दूध की कीमत नहीं दे पा रहे हैं। भाजपा सरकार युवा मामलों में जीरो है। उन्होंने कहा कि यह सरकार निवेश में भी कमीशन लेती है।

भाजपा ने नई पीढ़ी के भविष्य को बर्बाद कर दिया

भाजपा ने नई पीढ़ी के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। नई पीढ़ी भविष्य के बारे में सोचती है। उसकी सोच बड़ी होती है। नई पीढ़ी हर धर्म, पंथ, विचार के लिए सहनशील होती है, सबको साथ लेकर चलती है। नई पीढ़ी कट्टर विचारों के खिलाफ है। भाजपा सरकार ने नौ वर्ष में विकास का कोई काम नहीं किया।

बलिया में नेताजी के नाम पर होगा हाफ मैराथन

अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री राम गोविंद चौधरी बलिया में अपनी विधानसभा क्षेत्र में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के नाम पर हॉफ मैराथन कराएंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए स्पोर्ट्स किट लॉन्च की। सपा अध्यक्ष ने कहा कि वोट खत्म कर दिया तो हो सकता है कि आगे ये राशन की सुविधा खत्म कर देंगे। लाभकारी योजनाओं से बाहर कर देंगे। एसआईआर के मसले पर आगे कहा कि अलीगढ़ में वर्ष 2003 की मतदाता सूची नहीं है। अयोध्या में यह पढ़ने में नहीं आ रही है। एसआईआर की कमियां इकट्ठा की जा रही हैं। इन्हें चुनाव आयोग को भेजेंगे।

किसानों के अपमान पर फंसी बीजेपी सांसद कंगना रनौत

कोर्ट में रिवीजन याचिका स्वीकार, चलेगा राष्ट्रद्रोह का मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के मंडी से बीजेपी सांसद और मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर आगरा कोर्ट में रिवीजन याचिका स्वीकार की गई है। कंगना रनौत के मामले में किसानों के अपमान व राष्ट्रद्रोह के मामले में दायर याचिका मे रिवीजन स्वीकार किया गया है, अब अगली सुनवाई 29 नवंबर होगी। आगरा में अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने आरोप लगाते हुए एमपी एमएलए कोर्ट में कंगना रनौत के खिलाफ 11 सितंबर 2024 को एक वाद दायर किया था जिसमें अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना रनौत पर किसानों के अपमान और महात्मा गांधी का अपमान का आरोप लगाया।

दायर वाद में 9 महीने सुनवाई के बाद स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए ने अधूरी व्याख्या पर वाद को खारिज कर दिया था। अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कहा कि मैने रिवीजन याचिका दायर की थी, रिवीजन में सुनवाई के बाद स्पेशल जज एमपी एमएलए लोकेश कुमार ने यह आदेश किया है मेरा रिवीजन स्वीकार किया है. 6 मई 2025 को लोअर कोर्ट ने मेरा वाद खारिज किया था, 12 नवम्बर को रिवीजन याचिका को स्वीकार किया गया है, अब 29 नवंबर को उसमें सुनवाई होगी। याचिका के अनुसार यह मामला पहली बार 11 सितंबर 2024 को सामने आया था। कंगना के बयान ने देश भर के किसानों और नागरिकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई। विशेष न्यायाधीश लोकेश कुमार ने मामले पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और रिवीजन याचिका स्वीकार कर ली। अब यह मामला विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में जाएगा और अगली सुनवाई 29 नवंबर 2025 को तय की गई है, क्योंकि अदालत ने कहा है कि कंगना को उस सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होना पड़ सकता है। बता दें कि छह समन के बावजूद कंगना अब तक अदालत में पेश नहीं हुई हैं. इससे पहले चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उनके किसान आंदोलन पर दिए गए बयान को लेकर एक सीआईएसएफ कांस्टेबल ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण की याचिका पर फैसला सुरक्षित

सहारनपुर जातीय हिंसा मामले में हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज/सहारनपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भीम आर्मी पार्टी प्रमुख व नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण के खिलाफ 2017 में सहारनपुर में हुई जातीय हिंसा के दर्ज चार आपराधिक मामलों को रद्द करने की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने दिया।

सहारनपुर मे 2017 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद हिंसा फैलाने, हत्या के प्रयास, आगजनी और अन्य गंभीर धाराओं में चार एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल कर दी है। याची चंद्रशेखर आजाद के अधिवक्ता सुशील शुक्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार एक ही घटना से जुड़ी सभी शिकायतों को एक ही मुकदमे में जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ही घटना को आधार बनाकर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है। राज्य सरकार के शासकीय अधिवक्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि चारों घटनाएं अलग-अलग हैं। इनके शिकायतकर्ता और घटनास्थल भिन्न हैं, इसलिए हर मामले की अलग-अलग सुनवाई होना न्यायसंगत है। बता दें कि 8 मई 2017 को सहारनपुर के रामनगर में जातीय हिंसा हुई थी। इस मामले में शिकायतकर्ता सुनील कुमार गुप्ता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने पी?त की तहरीर पर एफआईआर दर्ज किया था। हालांकि शिकायतकर्ता सुधीर कुमार गुप्ता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। बाद में पुलिस ने जांच के दौरान 14 लोगों को आरोपित बनाया गया, जिनमें चंद्रशेखर रावण का भी नाम शामिल किया गया।

उद्धव का किसानों से मुलाकात सिर्फ दिखावा : एकनाथ शिंदे

सत्ता में थे तब आम नागरिकों की अनदेखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मराठवाड़ा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित किसानों से बेमन से मुलाकात की और उन्हें कोई मदद नहीं दी। परभणी में एक रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे जब सत्ता में थे तब भी आम नागरिकों को बेहतर लाभ एवं सेवाएं मुहैया कराने में विफल रहे थे।

शिंदे ने कहा कि उनके सक्रिय होने के बाद से उनके (उद्धव) जैसे नेताओं ने दौरे शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा,'' अगर आपके पास देने के लिए कुछ नहीं है, तो आप किसानों से मिलने क्यों गए? आप अपने साथ कम से कम बिस्कुट के कुछ पैकेट तो ले ही जा सकते थे। एक सच्चा नेता समस्याओं के समय लोगों के साथ खड़ा होता है। उन्होंने ठाकरे के पिछले सप्ताह मराठवाड़ा क्षेत्र के दौरे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने संकटग्रस्त किसानों से मुलाकात की थी। शुष्क मराठवाड़ा क्षेत्र बरसात में लंबे समय तक बारिश से प्रभावित रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में फसलें नष्ट हो गईं और घरों को भी व्यापक क्षति पहुंची। शिंदे ने अपने नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा किसानों को दी गई सहायता को याद किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हम प्रभावित किसानों के दरवाजे पर गए। उद्धव जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने कभी आम लोगों से मुलाकात नहीं की और अब वह सरकार को बदनाम कर रहे हैं। जब वह सत्ता में थे तो उन्होंने किसानों को कोई सहायता नहीं दी। शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार किसानों को ऋण माफी सहित राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने राज्य सरकार द्वारा घोषित 32,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का उल्लेख किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा को खुश करने में लगा है चुनाव आयोग: कल्याण बनर्जी

तृणमूल ने बंगाल चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भाजपा का पक्ष लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने भाजपा को खुश करने के लिए बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्ति नियमों में बदलाव किया है, क्योंकि भाजपा, जैसा कि उन्होंने दावा किया है, विशिष्ट मतदान केंद्रों पर एजेंट खोजने के लिए संघर्ष कर रही है। इस महीने शुरू हुए एसआईआर में पूरे बंगाल में मतदाता सूचियों का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा।

बनर्जी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस और माकपा के विपरीत, भाजपा के पास इस प्रक्रिया में पूरी तरह से भाग लेने के लिए पर्याप्त सक्रि य क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का अभाव है। बनर्जी ने कोलकाता में मीडिया को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के पास ज़मीनी स्तर पर कार्यकर्ता नहीं हैं। चूँकि वे उन्हीं बूथों के लिए एजेंट उपलब्ध नहीं करा सके, इसलिए चुनाव आयोग ने उनकी मदद के लिए एक नया आदेश जारी किया है। पहले, अधिकारियों की समुचित सहायता के लिए एक बीएलए को उसी बूथ से होना ज़रूरी था। अब, आयोग ने उसी विधानसभा क्षेत्र के आस-पास के बूथों से भी बीएलए नियुक्त करने की अनुमति दे दी है। यह आदेश स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में है। बनर्जी ने कहा कि 11 नवंबर को चुनाव आयोग का आदेश पारित होने के कुछ ही मिनटों के भीतर, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने एक्स हैंडल पर इसे पोस्ट करके फैसले का स्वागत किया। इससे साबित होता है कि यह पहले से तय था। चुनाव आयोग अब शुभेंदु अधिकारी के कहे अनुसार काम कर रहा है। चुनाव आयोग की गरिमा अब और भी गिर गई है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर लगेगा दांव

महाविकास अघाड़ि व महायुति ने प्रारंभ की तैयारी

» कांग्रेस अकेले ही दिखाएगी दम

» शिंदे व अजित पवार ने कार्यकर्ताओं को साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गए हैं और इसी के साथ अब महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए तैयारी तेज हो जाएगी। सभी सियासी दल अपने-अपने हिसाब से तैयारी कर रहे है। महायुति व महा विकास अंघड़ि के सभी दल तीरतरकश सही करने में जुटगए है। बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है, जिसके तहत मुंबई में चार नए महासचिव नियुक्त किए गए हैं।

बीजेपी द्वारा राजेश शिरवाडकर, गणेश खापरकर, आचार्य पवन त्रिपाठी और श्वेता पारुलेकर शामिल हैं। ये नई नियुक्तियां बीजेपी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने की हैं। बीएमसी के चुनाव संभावित रूप से जनवरी 2026 में होने वाले हैं। इसको लेकर सत्तारूढ़ दलों के साथ-साथ विपक्षी दल भी जोरदार तैयारियों में लगे हैं। महायुति एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कह रही है तो महाविका अघाड़ी के सहयोगी दल अलग-अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। कांग्रेस एमवीए से अलग अकेले अपने दम पर बीएमसी चुनाव में उतर सकती है। वहीं, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतर सकते है। शरद पवार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, महायुति की स्थिति स्पष्ट है कि बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी, तीनों साथ मिलकर ही बीएमसी चुनाव के मैदान में उतरेंगे।

बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को मिलेगी बड़ी जीत : वडेट्टीवार

हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने घोषणा की थी कि कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने का प्लान बना रही है। कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद स्थानीय स्तर पर यह फैसला लिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा था कि बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को 30-35 सीटें मिलती हैं। हालांकि, कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि अगर समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल प्रस्ताव रखते हैं, तो पार्टी उनके साथ चुनाव लड़ने को तैयार है। समान विचारधारा वाली बात से साफ है कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ नहीं जाना चाहती और इसी नाराजगी के चलते उद्धव ठाकरे के साथ भी गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहती।

शिवसेना जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि शिवसेना हमेशा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और समुदायों से जुड़े कई नेता और सदस्य मुंबई में उनके आधिकारिक मुक्तागिरी निवास पर पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए शिंदे ने कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है जहां काम करने वालों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा, पार्टी हमेशा आम लोगों, पिछड़े वर्गों और जमीनी स्तर पर काम करने वालों के कल्याण के लिए प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हर दिन हजारों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, जो शिवसेना के नेतृत्व और विचारधारा में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। शिंदे ने कहा, राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए भी मैंने एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया और अब भी करता हूं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं की है, किसी एक व्यक्ति की नहीं।

ईमानदार कार्यकर्ता के साथ संगठन हमेशा साथ : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदपा) नेता पवार ने कहा, हमने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया और न ही कभी अहंकार किया। सत्ता का दुरुपयोग ज्यादा दिन नहीं चलता। जनता हमें आठ लाख वोटों से इसलिए चुनती है क्योंकि हम उनके लिए ईमानदारी से काम करते हैं। जनता और हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हम लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, केवल राजनीति से हमारा काम नहीं चलेगा। सुनिश्चित करें कि केंद्र और राज्य सरकारें द्वारा शुरू की गई योजनाएं गरीबों तक पहुंचें। उनके चेहरों पर संतुष्टि झलकनी चाहिए। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को गलत कामों के प्रति आगाह करते हुए कहा, मैं अच्छा काम करने वालों को पूरा समर्थन दूंगा। लेकिन अगर कोई गलत काम करता है और संरक्षण की उम्मीद करता है, तो ऐसा नहीं होगा। सहनशीलता की सीमा समाप्त हो गई है, इसलिए इससे अलग उम्मीद न करें। पिछले सप्ताह, पुणे में अजित पवार के बेटे पार्थ से जुड़ी एक कंपनी से संबंधित 300 करोड़ रुपये का भूमि सौदा अनियमितताओं के आरोपों में घिर गया और राजनीतिक विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया और एक उप-पंजीयक को निलंबित कर दिया। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि 40 एकड़ भूमि का बाजार मूल्य 1,800 करोड़ रुपये है।

दक्षिण में धर्म के नाम विवाद आम

» कभी सनातन को गाली तो कभी प्रसाद में मिलवाट पर बवाल

» सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना का आह्वान

» केरल दिन पर दिन बढ़ रहा आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण में धर्म के नाम विवाद आम बात हो गई है। कभी सनातन पर तमिलनाडु में गाली गलौज पर सियासी रार मचता है। तो कभी आंध्र के तिरुपति लड्डओं में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट को लेकर बवाल हो जाता है। इन सबके बीच केरल समाजिक से लेकर आर्थिक गतिविधियों में आगे बढ़कर इन राज्यों से आगे निकलता दिखाई देने लगा है।

विवाद के बीच में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन धर्म परिक्षण बोर्ड की स्थापना का आह्वान किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, कल्याण ने कहा कि सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें कमतर आंका जा रहा है, जिससे भक्तों का विश्वास कम होता है। एक अन्य एक्स पोस्ट में, कल्याण ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति लड्डू में 250 करोड़ रुपये के मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया। यह खबर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी के मिलावटी घी मामले में एसआईटी के सामने पेश होने के बाद आई है। उनसे मिलावटी घी की खरीद के संबंध में पूछताछ की गई।

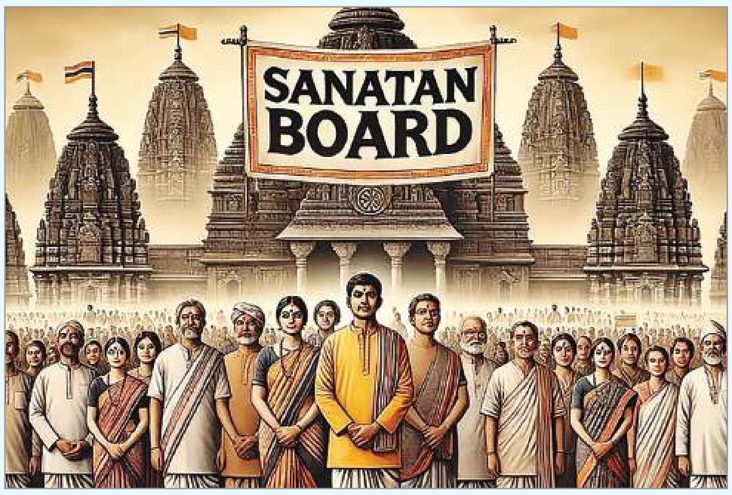

वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर : पवन

उपमुख्यमंत्री ने लिखा कि वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है, यह एक पवित्र आध्यात्मिक प्रवास है। तिरुपति लड्डू केवल एक मिठाई नहीं है, यह एक साझा भावना है - हम इसे दोस्तों, परिवार और अजनबियों के बीच समान रूप से बांटते हैं, क्योंकि यह हमारी सामूहिक आस्था और गहन विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि औसतन, हर साल लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालु तिरुमाला आते हैं। और जब सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें कमतर आंका जाता है, तो यह न केवल आहत करने वाला होता है, बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के विश्वास और श्रद्धा को भी चकनाचूर कर देता है। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा होनी चाहिए।

सनातन धर्म के लिए एक संरक्षण निकाय बने

सनातन धर्म के लिए एक संरक्षण निकाय की माँग करते हुए, उन्होंने कहा कि बोर्ड की स्थापना सभी हितधारकों की सहमति से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी आस्था की सुरक्षा और सम्मान पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमारा सनातन धर्म सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होती सभ्यताओं में से एक है, और अब समय आ गया है कि हम सभी हितधारकों की सहमति से सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड की स्थापना करें।

कारोबार सुगमता 'रैंकिंग'ने केरल में अच्छे परिवेश की पुष्टि की : विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राष्ट्रीय 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में राज्य की लगातार सफलता को गौरव का क्षण बताया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय प्रभावी शासन एवं नवाचार पर आधारित विकास दृष्टिकोण को दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह उपलब्धि '' हमारी निरंतर प्रगति '' को दोहराती है जो राज्य में निवेश-अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में हो रही है। उन्होंने लिखा, यह गर्व का क्षण है क्योंकि केरल ने एक बार फिर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में सुगमता) रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। राज्य को फिर से 'फास्ट मूवर' (तेजी से आगे बढ़ने वाले) श्रेणी में स्थान मिला है जो व्यापार सुधार कार्य योजना और अनुपालन बोझ में कमी के तहत हमारी सतत प्रगति को दर्शाता है। नयी दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से यह सम्मान प्राप्त करने के बाद राज्य के उद्योग मंत्री पी. राजीव ने कहा कि यह केरल के व्यापार क्षेत्र में सुधारों के सफल क्रियान्वयन की उल्लेखनीय प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) 2024 के तहत केरल 'फास्ट मूवर्स' श्रेणी में शीर्ष पर रहा। राजीव ने बताया कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश ने भी केरल के साथ 'फास्ट मूवर्स' श्रेणी में जगह हासिल की जबकि तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र ने ''आकांक्षी'' श्रेणी की सूची में जगह बनाई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बातों से नहीं बनेगा देश आत्मनिर्भर

"यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आज भारत की ईमेल सेवाओं से लेकर क्लाउड स्टोरेज, सर्च इंजन और ऑपरेटिंग सिस्टम तक अधिकांश आधारभूत ढांचे पर अमेरिकी कंपनियों जैसे मेटा, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि का ही वर्चस्व है। निसंदेह यह स्थिति भारत की डिजिटल संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौती है।

दुनिया के छोटे-छोटे देशों ने दुनिया के डिजिटल की बड़ी-बड़ी कंपनियों पर नकेल कसा है। पर भारत अब भी पीछे है। जबकि पीएम मोदी कुछ दिनो से स्वदेशी का राग अलाप रहे हैं। सरकार को चहिए की आत्मनिर्भरता बातों से नहीं आएगा। उसके लिए ठोस फैसलें लेने होंगे। भारत का डिजिटल आधार विदेशी कंपनियों विशेषकर अमेरिकी संस्थानों यथा गूगल अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, एक्स और मेटा इत्यादि पर अत्यधिक निर्भर है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आज भारत की ईमेल सेवाओं से लेकर क्लाउड स्टोरेज, सर्च इंजन और ऑपरेटिंग सिस्टम तक अधिकांश आधारभूत ढांचे पर अमेरिकी कंपनियों जैसे मेटा, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि का ही वर्चस्व है। निसंदेह यह स्थिति भारत की डिजिटल संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौती है। डिजिटल निर्भरता का सबसे बड़ा जोखिम यह है कि यह किसी भी समय राजनीतिक अस्त्र में परिवर्तित हो सकती है। सभी ने देखा है कि हाल में अमेरिका ने जिस प्रकार टैरिफ वॉर की नीति अपनाते हुए कई देशों पर ऊंचे आयात शुल्क थोपे हैं। यदि यही रणनीति डिजिटल क्षेत्र में अपनाई जाती है, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह होंगे।

यदि अमेरिकी राष्ट्रपति कोई कार्यकारी आदेश पारित कर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन जैसी कंपनियों को भारत की क्लाउड सेवाओं, ई-मेल सेवाओं या सॉफ्टवेयर अपडेट रोकने को निर्देशित करें तो क्षणभर में भारत के बैंकिंग, स्वास्थ्य, रक्षा, आपूर्ति सेवा, ऊर्जा, परिवहन और संचार क्षेत्र संकट में आ जाएंगे। कुछ समय पूर्व देखा गया था कि जिस प्रकार माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप होने से वैश्विक स्तर पर एयरलाइंस, बैंक और मीडिया हाउस प्रभावित हुए। इसके अतिरिक्त भारत में डिजिटल विज्ञापन, क्लाउड सेवाओं और ऑपरेटिंग सिस्टम का अधिकांश हिस्सा अमेरिकी कंपनियों के हाथ में है। यदि किसी दिन ये कंपनियां शुल्क अचानक बढ़ा दें या भारतीय संस्थानों को प्रतिबंधित सूची में डाल दें, तो भारतीय उद्योग जगत और समस्त वाणिज्य व व्यापार भारी संकट में आ जाएंगे। यदि यूट्यूब, गूगल सर्च या माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं से अचानक भारतीय भाषाओं की सामग्री को हटा दिया जाए या सीमित कर दिया जाए, तो करोड़ों भारतीय उपभोक्ता व कंटेंट क्रिएटर्स डिजिटल रूप से हाशिये पर चले जाएंगे। वहीं चीन और यूरोपीय संघ के उदाहरण भारत के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। चीन तकनीक के अन्य क्षेत्रों के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से रणनीतिक प्रयोग को जल्द ही भांप कर समझ लिया था कि डिजिटल संप्रभुता के बिना कोई भी राष्ट्र अपने दीर्घकालीन राजनीतिक हितों की रक्षा नहीं कर सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सतत जागरूकता से बचेगी जनतंत्र की गरिमा

विश्वनाथ सचदेव

बिहार के चुनाव परिणाम पर 'रेवड़ी' का क्या और कितना असर पड़ता है यह तो मतपत्रों की गणना के बाद ही पता चलेगा, पर यह एक खुला रहस्य है कि हमारे राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि देश का मतदाता रेवड़ियों से रिझाया जा सकता है। देखा जाये तो एक तरह से यह देश के मतदाता का अपमान ही है कि उसके बारे में ऐसी धारणा बन रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक बन गयी है, अर्से से हमारे राजनीतिक दल इस रेवड़ी- संस्कृति का सहारा लेकर चुनाव जीतने का प्रयास करते रहे हैं। शुरुआती दौर में यह काम चोरी- छिपे ढंग से होता था। मतदान से पहले की रात को न जाने क्या-क्या बंटता था मतदाताओं के बीच। अब भी ऐसा होता है, पर अब और भी रास्ते अपना लिये गये हैं, मतदाताओं को 'खरीदने' के- उदाहरण के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर बिहार के 'सुशासन बाबू' ने राज्य की लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस-दस हजार रुपये नकद बांट दिये।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी ऐसे प्रयोग हो चुके हैं। यही सब देखते हुए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या खैरात बांटकर चुनाव जीते जा सकते हैं? भले ही कुछ राजनीतिक-विश्लेषक यह कहते रहें कि ऐसा नहीं हो सकता, पर इस धारणा से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे राजनेता यही मानते हैं कि खैरात काम आती है। अब तो हमारे सत्ताशीर्ष भी यह मान चुके लगते हैं कि चुनाव के अवसर पर रेवड़ियां बांटना गलत नहीं है! बात सिर्फ रेवड़ी-संस्कृति तक सीमित नहीं है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह जाति और धर्म का सहारा लिया जा रहा है, वह एक तरह से हमारे लोकतंत्र का मजाक उड़ाना ही है। जातियों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और धर्म की दुहाई देकर मतदाता को भ्रमित करने की कोशिशें बिहार के इस चुनाव प्रचार में लगातार हुई हैं। यहीं यह बात भी गौर करने लायक है कि चुनाव में ठोस मुद्दे उठाने के बजाय किसी 'जंगल राज' और वोटों की कथित 'चोरी' जैसी बातों का सहारा लेना राजनीतिक दलों को कहीं अधिक उपयोगी लगा है।

सत्तारूढ़ पक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपनी उपलब्धियों को आधार बनाकर मतदाता के समक्ष वोट मांगने जायेगा। पर देखा यह गया है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की बीस साल की पुरानी सरकार के 'जंगल-राज' का डर दिखाकर वोट पाने की उम्मीद कर रहा है। यह मान भी लें कि लालू-राबड़ी की सरकार का कथित जंगल-राज बहुत बुरा था, तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि आज की युवा पीढ़ी को दो दशक पुराने उस अनुभव के आधार पर कोई निर्णय लेने के लिए कैसे कहा जा सकता है? विपक्ष से यदि कोई सवाल किया जाता है तो वह यह होना चाहिए कि उसके पास शासन का बेहतर विकल्प क्या है? यह मतदाता का अपमान नहीं तो और क्या है कि बिहार की वर्तमान सरकार की दस हजार रुपये की 'रिश्वत' के मुकाबले में विपक्ष तीस हजार रुपये नकद देने का प्रलोभन दे रहा है? चुनाव जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव होते हैं। रेवड़ियों, रिश्वत और घिसे-पिटे आरोपों के सहारे चुनाव जीतने की कल्पना ही इस उत्सव की गरिमा, महत्ता और पवित्रता को नष्ट कर देती है। नीतियों और नीयत के बजाय समाज को बांटने वाले नारों को चुनाव जीतने का आधार बनाया जाता है। चुनाव का परिणाम क्या होगा यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि सुदृढ़ जनतंत्र की दुहाई देने वाले देश में घटिया मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ा जाना अपने आप में किसी शर्म से कम नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष के पास सबसे बड़ा मुद्दा बीस साल पुरानी सरकार की कथित विफलता थी और विपक्ष ने भी ठोस वैकल्पिक नीतियों को सामने रखने के बजाय 'वोट चोरी' जैसे कमजोर मुद्दे को अपना हथियार बनाया। विपक्ष ने बेरोजगारी जैसे जरूरी मुद्दे को उठाया अवश्य, पर मतदाता में यह विश्वास नहीं जगा पाया कि वह बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था दे सकता है। इसी तरह सत्तारूढ़ पक्ष का 'घुसपैठियों' वाला मुद्दा भी बहुत ज्यादा कारगर नहीं लगा। वह इस सवाल का जवाब देने में भी विफल रहा कि उसके इक्कीस साल के शासन में वह घुसपैठियों को देश से निकाल क्यों नहीं पाया? इससे भी अधिक महत्वपूर्ण सवाल तो यह है कि इतने सारे घुसपैठिये देश में आ कैसे गये? इस सवाल का जवाब देश के गृहमंत्री को देना था, पर उनके पास जवाब था ही नहीं!

हैरानी की बात तो यह है कि विपक्ष भी उस मजबूती के साथ इस सवाल को नहीं उठा पाया, जो इस मुद्दे का लाभ उठाने के लिए जरूरी थी। चुनाव-परिणाम भले ही कुछ भी हों, लेकिन सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने चुनाव-प्रचार के दौरान कुल मिलाकर घटिया रण-नीति का ही परिचय दिया है। जनतंत्र की सफलता का तकाजा है कि स्वस्थ राजनीति की संभावनाओं को साकार बनाने की दिशा में कुछ ठोस सोचा जाये, कुछ ठोस किया जाये।

विकास और जलवायु परिवर्तन के बीच संतुलन जरूरी

के.एस. तोमर

रिपोर्ट ने जो सुझाव दिए हैं उनमें राज्य जलवायु लचीलापन कोष, हर जिले में जलवायु जोखिम मानचित्रण, हरित उद्योगों और कृषि-वानिकी को बढ़ावा तथा डिजिटल तकनीक द्वारा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं।

भारत की विकास यात्रा आज दो विरोधी धाराओं के बीच खड़ी है- एक ओर शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक कल्याण में प्रगति और दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली विनाशकारी असुरक्षा। केरल, तमिलनाडु, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य, जो मानव विकास सूचकांक में देश का नेतृत्व करते हैं, अब इस द्वंद्व के केंद्र में हैं। ऐसे समय में, हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025, जिसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ तैयार किया गया है, पूरे भारत के लिए एक दिशासूचक दस्तावेज के रूप में उभरकर सामने आई है। यह ऐसी पहली रिपोर्ट है, जिसमें मानव विकास को जलवायु जोखिमों के साथ जोड़ा गया है। हिमाचल का मानव विकास सूचकांक 0.78 है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से अधिक है, लेकिन अब जलवायु संकट इस प्रगति के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है, जो न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है।

हिमाचल का अनुभव अकेला नहीं है। केरल का सामाजिक मॉडल बाढ़ और तटीय क्षरण से जूझ रहा है। तमिलनाडु के औद्योगिक नगरों पर जलसंकट और प्रदूषण का दबाव है। ओडिशा और गुजरात राज्यों को चक्रवातों और हीटवेव से भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उत्तराखंड और सिक्किम पर्यटन, जलविद्युत और पर्यावरण संतुलन के बीच झूल रहे हैं। यह सब मिलकर संकेत देते हैं कि भारत का अगला विकास अध्याय केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु-सक्षम मानव विकास का होना चाहिए। रिपोर्ट में, हिमाचल की बुजुर्ग होती आबादी, युवाओं का पलायन, जल संकट और आपदाएं को चिन्हित किया गया है। देश-भर में बुजुर्गों का प्रतिशत 2050 तक 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जिससे वृद्ध स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा का दबाव बढ़ेगा। खेती की घटती आय और सीमित औद्योगिकीकरण युवाओं को गांवों से शहरों की ओर धकेल रहा है। यह पलायन, हिमाचल की तरह, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रहा है।

वहीं, पंजाब के सूखते भूमिगत जल, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा की सूखे से जूझती जमीन, गंगा बेसिन का प्रदूषण और हिमाचल की सूखती धाराएं, सभी एक ही कहानी कहते हैं। इसके लिए समाधान स्थानीय स्तर पर होने चाहिए। शहरी दबाव के चलते जहां शिमला, सोलन और मंडी जैसे शहर कचरा, ट्रैफिक और आवासीय दबाव से त्रस्त हैं, वहीं बेंगलुरु, पुणे और गुवाहाटी जैसे महानगर भी इसी असंतुलन के शिकार हैं। इसके लिए एकीकृत शहरी नियोजन और पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण नीति की जरूरत है। पिछले पांच वर्षों में हिमाचल को आपदाओं से लगभग 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4 प्रतिशत है। वर्ष 2023 में भारत-भर में 2,800 से अधिक लोगों की मृत्यु और 1.4 लाख करोड़ की क्षति जलवायु-जनित घटनाओं से हुई। हिमाचल का 75,000 करोड़ रुपये का ऋण बोझ यह दर्शाता है कि छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति कितनी नाजुक है।

रिपोर्ट ने ग्रीन बॉन्ड, आपदा बीमा और कार्बन क्रेडिट जैसे उपाय सुझाए हैं। गुजरात ने पहले ही हरित ऊर्जा बॉन्ड जारी किए हैं और ओडिशा ने अपने बजट में जलवायु व्यय को शामिल किया है। हिमाचल का यह दृष्टिकोण बताता है कि हर राज्य यदि अपनी वित्तीय नीति को हरित और लचीला बनाए तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन संभव है। हिमाचल की सबसे बड़ी ताकत उसका सामाजिक समावेशन है। 58 प्रतिशत पंचायत सीटें महिलाओं के पास हैं, जिससे नीतिगत निर्णयों में लैंगिक दृष्टिकोण जुड़ गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों के लिए लक्षित योजनाएं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं इसे एक मानव-केंद्रित शासन मॉडल बनाती हैं। यही समावेशन केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों की सफलता का भी आधार है। भारत के सुरक्षित भविष्य के लिए यह मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट ने जो सुझाव दिए हैं उनमें राज्य जलवायु लचीलापन कोष, हर जिले में जलवायु जोखिम मानचित्रण, हरित उद्योगों और कृषि-वानिकी को बढ़ावा तथा डिजिटल तकनीक द्वारा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं। हिमाचल का अनुभव बताता है कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन, बागवानी और जैविक खेती न केवल रोजगार दे सकते हैं बल्कि पारिस्थितिकी की रक्षा भी करते हैं। इसे सिक्किम, मेघालय और नागालैंड जैसे राज्यों ने सफलतापूर्वक अपनाया है। भारत जब सतत विकास लक्ष्यों और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब मानव विकास और जलवायु अनुकूलन का एकीकरण नीति का मुख्य आधार होना चाहिए। हिमाचल की नीतियां, जो सामाजिक कल्याण को पर्यावरणीय आचार-संहिता से जोड़ती हैं, अन्य राज्यों के लिए आदर्श बन सकती हैं। केंद्र सरकार की मिशन लाइफ पहल तभी सार्थक होगी जब हिमाचल जैसे राज्यों के उदाहरण उसे जमीनी ताकत दें। हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025 बताती है कि शिक्षा, समानता और पर्यावरण-संवेदनशील शासन के सहारे सीमित संसाधनों में भी चमत्कारिक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

बाल दिवस

बच्चों के पूर्ण विकास के लिए करता है प्रेरित

भारत में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। नेहरू जी को बच्चों से बेहद लगाव था और उन्हें प्यार से चाचा नेहरू के नाम से पुकारा जाता था। उनके इसी प्रेम और बच्चों के प्रति समर्पण के कारण उनकी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। लेकिन बाल दिवस नेहरू जी की जयंती से 10 साल पहले ही मनाया जाना शुरू हो गया था उन्होंने बच्चों के विकास के लिए कई कदम उठाए। उनकी मौत के बाद, उनकी स्मृति में 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

बाल दिवस कैसे मनाया जाता है?

बाल दिवस देश भर में अलग-अलग कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। स्कूलों और कॉलेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिताएं और खेल आयोजित किए जाते हैं। इस दिन कई संगठन भी बच्चों के लिए खास कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताया जाता है और उन्हें एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जाता है। बाल दिवस समाज में बच्चों के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करता है। इस दिन लोग बच्चों के मुद्दों पर चर्चा करते हैं और बच्चों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रेरित होते हैं।

कब हुई शुरुआत

भारत में बाल दिवस मनाने की शुरुआत 1956 से हुई थी। उस समय इसे बाल दिवस के नाम से नहीं जाना जाता था बल्कि इसे बाल कल्याण दिवस के नाम से मनाया जाता था। 1956 में भारत सरकार ने बच्चों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू कीं और इन योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 14 नवंबर को बाल कल्याण दिवस मनाने का फैसला किया गया।

बाल दिवस का महत्व

बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों के महत्व को उजागर करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बच्चे हमारे समाज का भविष्य हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी एक अवसर है, जैसे कि शिक्षा का अधिकार, स्वस्थ रहने का अधिकार और सुरक्षित वातावरण में रहने का अधिकार। बाल दिवस हमें बच्चों के प्रति समाज के दायित्व को याद दिलाता है। यह दिन हमें बच्चों के लिए एक बेहतर समाज बनाने के लिए प्रेरित करता है। हमें बच्चों को प्यार, देखभाल और सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। यह दिन हमें बच्चों के पूर्ण विकास के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है, जैसे कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल-कूद में सुधार लाना।

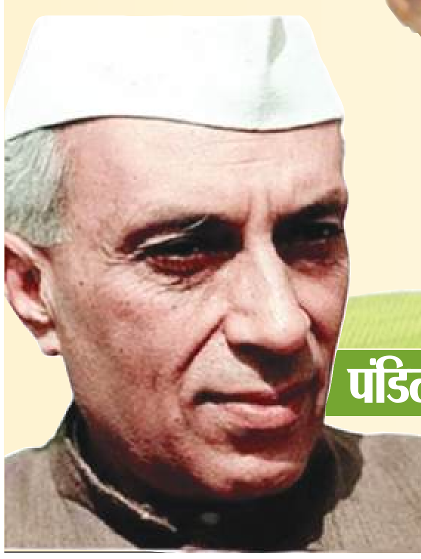

पंडित जवाहरलाल नेहरू और बच्चे

पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे। वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उन्होंने हमेशा बच्चों के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने बच्चों के लिए कई योजनाएं शुरू किए। नेहरू जी का मानना था कि बच्चों को एक स्वतंत्र और खुशहाल जीवन जीने का मौका मिलना चाहिए, ताकि वे आगे चलकर देश का नाम रोशन कर सकें और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम कर सकें। पंडित जवाहरलाल नेहरू 1947 में स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। और 27 मई 1964 को उनके निधन तक वे इस पद पर बने रहे। उनके जन्मदिन पर हम उनकी वंदना करते हैं।

हंसना मना है

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजेबिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला.. कब्रिस्तान, दे चप्पल-दे चप्पल, कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते।' युवती बोली- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

मैडम दूध वाले से- छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी करले! दूध वाला- नहीं नहीं! मैडम..क्यों? क्या हुआ? दूधवाला- मैं रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूं, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती।

मस्त जिंदगी किसे कहते हैं? खाने को रोज थाली हो, दो टाइम की कामवाली हो, पड़ोसन नखरे वाली हो, सुन्दर सी 1 साली हो और घरवाली का दिमाग खाली हो।

कहानी: कौवा और दुष्ट सांप

एक जंगल में पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी इस खुशी को एक सांप की नजर लग गई। जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहने वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। इस प्रकार कई दिन निकल गए। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। इसी बीच कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हार को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछा कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

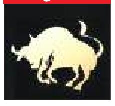

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

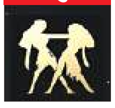

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

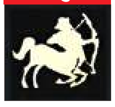

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

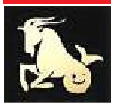

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मेहनत का फल मिलेगा।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

फिल्म दुनियादारी के साथ बड़े परदे पर वापसी करेंगे गोविंदा

गोविंदा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी सेहत। बीती रात अचानक तबीयत खराब होने के बाद उन्हें मुंबई के जुहू स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक्टर को अब छुट्टी मिल गई है। उनका कहना है कि वे अब ठीक हैं। इस बीच चीची की सेहत को लेकर चिंतित फैंस को एक खुशखबरी भी मिली है। गोविंदा बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

अभिनेता गोविंदा दुनियादारी नाम की फिल्म के साथ बड़े परदे पर वापसी कर रहे हैं। इसमें उन्हें गोविंदा का अब तक का बेस्ट अवतार देखने को मिलेगा। गोविंदा ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके प्रशंसक उन्हें इस फिल्म के जरिए एक बार फिर उनके बेस्ट फॉर्म में देखें। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म किस बारे में होगी और दर्शक इससे क्या उम्मीद कर सकते हैं। लंबे अरसे बाद गोविंदा को परदे पर देखना के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा।

गोविंदा ने फिल्म पर अपडेट देते हुए कहा, मैं अभी जो फिल्म शुरू कर रहा हूं, उसका नाम दुनियादारी है। मैं चाहता हूं कि लोग, खासकर मेरे फैंस, मुझे गोविंदा के बेस्ट फॉर्म में देखें। ठीक वैसे ही, जैसे उन्होंने मुझे पहले देखा है। मैं कहना चाहता हूं कि जब कोई व्यक्ति वफादार और ईमानदार होने के बावजूद विश्वासघात का सामना करता है, तभी उसे दुनिया के तौर-तरीके सही मायने में समझ आते हैं।

गोविंदा ने आगे कहा, मेरी फिल्मों में कॉमेडी, गाने और डांस जैसी वो सारी चीजें होंगी, जो लोगों को पसंद हैं, लेकिन मैं चाहता हूं कि भारत और विदेश में लोग दुनियादारी देखें और समझें कि हमारा देश असल में क्या है। जब लोग यह फिल्म देखेंगे, तो वे मुझे मेरे बेस्ट फॉर्म में देखेंगे। फिल्म को बेहतर बनाने की मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा।

बुधवार को गोविंदा को जुहू स्थित क्रिटिकेयर एशिया मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अभिनेता ने मीडिया से बात की और अपनी सेहत पर अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि ज्यादा काम के कारण उन्हें थकान हो गई थी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने बहुत मेहनत की थी। मुझे थकान हो रही थी। मैं योग प्राणायाम करता था, लेकिन अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए मैंने भारी व्यायाम किया। मुझे लगता है कि योग और प्राणायाम करना अच्छा है। मैंने जरूरी दवाइयां ले ली हैं।

दे दे प्यार दे 2 ने एडवांस बुकिंग में कर डाली 1.37 करोड़ रुपये की कमाई

अजय देवगन एक बार फिर कॉमेडी अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी नई फिल्म दे दे प्यार दे 2 का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था और अब जब फिल्म की रिलीज करीब है, तो शुरुआती आंकड़े भी सामने आ गए हैं। फिल्म ने एडवांस बुकिंग के मामले में अब तक कैसा प्रदर्शन किया है, चलिए जानते हैं।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने एडवांस बुकिंग के जरिए 1.37 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। महाराष्ट्र सर्किट से लगभग 31.51 लाख रुपये और दिल्ली-एनसीआर से करीब 34.12 लाख रुपये की एडवांस कमाई हुई है। हालांकि, आंकड़ों पर नजर डालें तो

केवल 19.19 लाख रुपये ऑर्गेनिक टिकट सेल्स से आए हैं, जबकि 1.17 करोड़ रुपये ब्लॉक बुकिंग्स से जुड़े हैं। यह दर्शाता है कि निर्माता और वितरक फिल्म को बड़े स्तर पर लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

पहली फिल्म 'दे दे प्यार दे' साल 2019 में रिलीज हुई थी और उस वक्त इसने 104 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। अब छह साल बाद इसका दूसरा भाग एक नए स्टारकास्ट और नए जोश के साथ सिनेमाघरों में उतरने को तैयार है। इस बार फिल्म में अजय देवगन के साथ आर माधवन, गौतमी कपूर और मीजान जाफरी जैसे नए चेहरे नजर आएंगे, जबकि पहली फिल्म की लोकप्रिय जोड़ी रकुल प्रीत सिंह और तबू ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। अजय देवगन के करियर में सीक्वल्स की अपनी एक खास जगह रही है। जहां एक ओर उनकी 'रेड 2' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं 'सन ऑफ सरदार 2' उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। पिछली साल की 'सिंघम अगेन' ने दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया तो पाई, लेकिन फिल्म उतनी बड़ी हिट नहीं बन सकी, जितनी उम्मीद की गई थी। इसके बावजूद अजय का सीक्वल्स के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। वो आगे भी 'धमाल', 'दृश्यम' और 'शैतान' जैसी लोकप्रिय फिल्मों के अगले भागों पर काम कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

14 साल हिंदी में काम किया, अब अपने पंख फैलाने का वक्त है : गुलशन देवैया

गुलशन देवैया को हाल ही में ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा- चैप्टर 1 में दमदार भूमिका में देखा गया। अब वे तमिल सिनेमा में दस्तक देने को तैयार हैं। एक्टर फिलहाल अपनी सीरीज लेगेसी को लेकर सुर्खियों में हैं। अपने तमिल डेब्यू को लेकर गुलशन देवैया ने कहा, यह सीरीज मेरे लिए अपने करियर में भाषाई विविधता खोजने का एक शानदार मौका है। करीब 14 साल तक मैंने ज्यादातर हिंदी में ही काम किया है और अब मुझे लगता है कि मैं अपने पंख फैलाने और कुछ नया करने का वक्त आ गया है और मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे लिए यह भी बड़ी बात है कि मुझे आर माधवन, निमिषा, अभिषेक, गौतम कार्तिक, श्री व्यापुरी और तमिल इंडस्ट्री के कई अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। अपने किरदार के बारे में उन्होंने आगे कहा, इस शो में मैं एक ऐसे पुलिस अफसर का किरदार निभा रहा हूं जो अपनी ड्यूटी, परिवार और खुद के बीच जिम्मेदारियों को लेकर संघर्ष कर रहा है। अब तक का अनुभव मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है और मैं चेन्नई में अपने आखिरी शेड्यूल के लिए लौटने का इंतजार कर रहा हूं। बता दें, गुलशन पहले भी कई बार पुलिस अफसर के रोल में नजर आ चुके हैं। दहाड में उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक ईमानदार पुलिसवाले का किरदार निभाया था। फुटफेरी में वो सीबीआई अफसर बने थे, जबकि बैड कॉप में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई थी-एक ईमानदार पुलिस इंस्पेक्टर और उसका अपराधी जुड़वां भाई। करियर का एक नया मोड़ साबित हो सकती है सीरीज में गुलशन के साथ आर माधवन, गौतम कार्तिक, अभिषेक बनर्जी और निमिषा सजयन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस शो का निर्देशन चारुकेश शेखर ने किया है और इसे कल्याण शंकर ने स्टोन बेंच प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनाया है। शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है और इसका बड़ा हिस्सा चेन्नई में फिल्माया गया है।

90 साल से दौड़ रही है ये मेट्रो महल जैसा दिखता है स्टेशन

आजकल भारत में मेट्रो का बोलबाला है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु के बाद पटना में भी मेट्रो शुरू हुई है। लेकिन शुरू होते ही इसके कई वीडियो वायरल होने लगे। सीटें तोड़ दी गई, दीवारें गंदी कर दी गई। अभी लोग इस नए सर्विस को कोस ही रहे थे कि ठीक उसी वक्त सोशल मीडिया पर एक और वीडियो आया, जिसे देखकर हर भारतीय हैरान रह गया। ये है दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे खूबसूरत मेट्रो। रूस की मॉस्को मेट्रो! ये मेट्रो 90 साल से दौड़ रही है, लेकिन स्टेशन ऐसे दिखते हैं जैसे किसी राजमहल में घुस आए हो। दिल्ली वाले तो इसे देख शरमा ही जाए। स्टेशन पर भीड़ भी है लेकिन उसके बाद भी इतनी सफाई कि यकीन ना हो। मेट्रो समय की पाबंद है और इतने साल पुरानी होने के बाद भी वेल मेंटेंड है। वीडियो देख लोग भी हैरान हैं कि ये मेट्रो है या कोई शाही महल। साल 1935 में सोवियत संघ के तानाशाह जोसेफ स्टालिन ने सपना देखा था। मॉस्को को दुनिया का सबसे शानदार शहर बनाने का। अपने सपने की तरफ उनका पहला कदम था अंडरग्राउंड मेट्रो। 15 मई 1935 को इसकी पहली लाइन शुरू हुई जो सिर्फ 11 किलोमीटर लंबी थी। इसमें 13 स्टेशन थे। लेकिन ये स्टेशंस बेहद खूबसूरत थे। मार्बल की दीवारें, ग्रेनाइट फर्श, क्रिस्टल चंदेलियर, कांस्य की मूर्तियां, मोज़ेक पेंटिंग्स, सबकुछ था। स्टालिन ने कहा था मेट्रो सोवियत लोगों के लिए पैलेस होगा! और सच में उसे बना दिया। आज 90 साल बाद भी स्टेशन उसी शान और चमक से सजा हुआ है। मॉस्को मेट्रो दुनिया की चौथी सबसे व्यस्त मेट्रो सर्विस है। रोज 90 लाख यात्री इसका इस्तेमाल करते हैं। इसमें 250 से ज्यादा स्टेशन हैं और 466 किलोमीटर ट्रैक है। लेकिन व्यस्तता के बावजूद ये बेहद साफ-सुथरा है। हर 90 सेकंड में एक ट्रेन गुजरती है। प्लेटफॉर्म पर लगता है जैसे आप आर्ट गैलरी घूम रहे हो। इसमें सबसे मशहूर स्टेशन है किय्काया। इसके छत पर मोज़ेक है और चंदेलियर लटकते हैं। हर स्टेशन का अपना थीम, अपना इतिहास है। मायाकोव्स्काया, जहां स्टील के मेहराब हैं। WWII में बम शेल्टर बनाया गया था, जिसे अब स्टेशन में बदल दिया गया है। भारत में एयरपोर्ट्स पर भी इतनी सफाई या आर्ट नजर नहीं आता, जितना इस पुराने मेट्रो में दिख जाता है। लोग इसकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा होटल

इस होटल में अंदर घुसते ही उतारने पड़ते हैं कपड़े, पहनने पर भरना पड़ता है जुर्माना!

जब एक बच्चे का जन्म होता है तो वो इस दुनिया में बिना कपड़े के आता है। लेकिन उसके तुरंत बाद से मरने तक इंसान की बॉडी कपड़ों के पीछे ढंकी रहती है। अब इसे शर्म कह लें या समाज द्वारा बनाया गया नियम। हर कोई कपड़े पहनता है। पहले आदिमानव कपड़े नहीं पहनते थे। लेकिन जब ठंड का मौसम आया तो खुद को गर्म रखने के लिए उन्होंने जानवर की खाल पहननी शुरू कर दी। बस फिर क्या था? वहीं से शुरू हो गया कपड़ों का कांसेप्ट। इसके बाद तो कपड़े ना पहनने को बेशर्मी का प्रतीक माना जाने लगा।

हालांकि, यूके के बिर्मिंघम में एक होटल ने अब इसे चुनौती दी है। इस होटल में आप रह सकते हैं। लेकिन इसकी एक शर्त है। इस होटल में कपड़े पहनना मना है। जी हां, सही पढ़ा आपने। इस नेकेड होटल में गेस्ट, स्टाफ हर कोई बिना कपड़ों के घूमता है। इसके अलावा यहां एक नेकेड स्पा भी है। इस होटल के मालिक ने अपनी इस अनोखी पहल के बारे में ना सिर्फ जानकारी दी, बल्कि ऐसा क्यों किया गया है ये भी बताया।

बिर्मिंघम के बाहर शांत इलाके में ये खूबसूरत होटल मौजूद है। यहां आने वाले गेस्ट्स को कपड़ों के बिना घूमने की आजादी है। साथ ही वो होटल की सारी सुविधाओं का मजा बिना कपड़ों के ले सकते हैं। जहां पहली नजर में ये कांसेप्ट विवादित लगता है लेकिन अगर आप इस होटल में जायेंगे तो पता चलेगा कि यहां स्टे करने के लिए वेटिंग लगी रहती है। इस होटल के मालिक टीम हिग्गस लोगों को प्रकृति के नजदीक लाना चाहते थे। 2010 से ही ये होटल शुरू किया गया था। अब यहां ठहर चुके गेस्ट्स का ये पसंदीदा स्पॉट बन गया है। लोगों को यहां आकर बाहरी दुनिया से आजादी का अनुभव होता है।

इस होटल का कांसेप्ट स्पा से शुरू हुआ था। स्विट्जरलैंड, जर्मनी और फिनलैंड में कई स्पा नेकेड सर्विस देते हैं। टीम ने भी यही सोचा था। लेकिन इसके बाद उन्होंने स्पा के साथ ही साथ पूरे होटल में बिना कपड़ों के घूमने का ऐलान कर दिया। यहां आने वाले गेस्ट इससे आजाद महसूस करते हैं। टीम के मुताबिक, सबको बिना कपड़ों के बराबर महसूस होता है। कोई किसी को घूरता नहीं है। काफी रिलैक्स फील होता है। सबसे बड़ी बात कि इससे आत्मविश्वास आता है। सबसे हैरानी की बता ये है कि होटल को काफी अच्छे रिव्यू मिले हैं। जहां आपको लग रहा होगा कि ऐसे होटल में भला कौन ही रुकेगा वहीं असलियत इससे काफी अलग है। यहां ठहरने के लिए वेटिंग का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली विस फांसी घर विवाद पर बनेगी बात

समिति के सामने पेश हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

» भाजपा ने आप पर साधा निशाना
» पिछली सरकार ने बताया था फांसी घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में हलचल मचाने वाले फांसी घर विवाद पर सियासी संग्राम अब शायद थम जाए। मामले में दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को बृहस्पतिवार को पुराने सचिवालय में केजरीवाल ने इस पेशी के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है। मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है।

ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर केजरीवाल पेश नहीं होते तो विधानसभा की अगली कार्रवाई क्या होती है। इस

प्रतीकात्मक फोटो

विधानसभा के पिछले सत्र से गर्म है मामला

यह विवाद विधानसभा के पिछले मानसून सत्र में तब उठा था जब मौजूदा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायक अभय वर्मा ने फांसी घर की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए।

समिति की अध्यक्षता भाजपा विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत कर रहे हैं जबकि सदस्य अभय कुमार वर्मा, अजय महावर, नीरज बसोया, राम सिंह नेताजी, रवि कांत, सतीश उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार और सूर्य प्रकाश खत्री सुनवाई में मौजूद रहेंगे। समिति का मकसद यह जांचना है कि पिछली आप सरकार ने जिस कमरे को फांसी घर बताकर संरक्षित किया था वह दावा कितना सही है। आप सरकार ने 2022 में इस कमरे को फांसी घर घोषित कर संरक्षित किया था जिसका उद्घाटन तत्कालीन अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने 9 अगस्त 2022 को किया था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद मौजूदा भाजपा सरकार ने इस फैसले को खारिज कर दिया और मामले की जांच विशेषाधिकार समिति को सौंप दी। फिलहाल यह मामला दिल्ली की राजनीति में फिर से गर्मी ला रहा है। केजरीवाल पिछले कुछ समय से पंजाब में हैं।

केजरीवाल-सिसोदिया के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति फाइल पेश करे ईडी : हाईकोर्ट

दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति से संबंधित मूल फाइल पेश करने का निर्देश दिया।न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने यह आदेश आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद पारित किया, जिसमें उन्होंने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उन्हें आरोपी के रूप में नामित करने वाली शिकायत पर संज्ञान लिया गया था। सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने नोट किया कि उपनिदेशक (सतर्कता) ने 30 दिसंबर, 2024 के पत्र में दर्ज किया था कि सक्षम प्राधिकारी ने अभियोजन के लिए स्वीकृति दे दी है।

हिमाचल में खंड-खंड में बंटी है भाजपा : मुख्यमंत्री

» सुक्खू बोले- तनाव में हैं जयराम ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

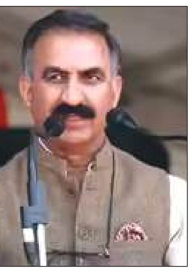

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा पांच गुटों में बंट चुकी है। वह राज्य में खंड-खंड है। जगह जगह रैलियां हो रही हैं। इससे नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी तनाव में हैं। तनाव में आकर ही वह बयानबाजी भी कर रहे हैं। राजधानी शिमला में हिमाचली हॉट का शिलान्यास करने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हर दिन नेता प्रतिपक्ष बयान जारी कर रहे हैं। भाजपा में बिका हुआ गुट भी हावी हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष पर राजनीतिक दबाव इतना ज्यादा है कि उनके गुट के विधायक भी भाग रहे हैं। कहा कि भाजपा अब अनुराग, नड्डा, जयराम, बिका हुआ गुटा और धवाला गुट में बंट गई है। भाजपा ने हिमाचल में लोकतंत्र खरीदने की कोशिश की है लेकिन हिमाचल का जनता और देवी देवताओं के आर्शीवाद से प्रदेश में फिर सरकार रिपीट हुई।

कांग्रेस फिर 40 के आंकड़े तक पहुंची। कहा कि सरकार भलाई के काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन में सुधार किए जा रहे हैं। बेची गई संपदा वापस लाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब ठेकों से वर्तमान सरकार ज्यादा पैसा कमा रही है। भाजपा सरकार के फार्मूले से हर साल कमाई दस फीसदी ही बढ़ रही थी। चार साल में भाजपा सरकार के समय सिर्फ 400 करोड़ की कमाई हुई। वहीं, वर्तमान सरकार ने जो फार्मूला अपनाया उससे एक साल में ही 600 करोड़ की कमाई हो गई। इसीलिए हमारा मॉडल बेहतर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 दिसंबर को सरकार के तीन साल पूरा होने पर समारोह आयोजित किया जाएगा। दिल्ली में हुए धमाके के बाद प्रदेश में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है।

भारत-अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट कल से

» अभ्यास सत्र में पंत, राहुल जायसवाल और जुरेल ने दिखाया दम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 14 नवंबर को कोलकाता के इडन गार्डंस स्टेडियम में पहले टेस्ट मैच खेला जायेगा। इसके साथ ही दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट मैच, 3 वनडे और 5 टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर वनडे सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद टी20 सीरीज जीतकर टीम इंडिया के हौसले बुलंदी पर हैं। टेस्ट मैचों में भी पिछले महीने भारत ने अपने घर में वेस्टइंडीज को एकतरफा मुकाबले में हराया था। लेकिन अब सामना साउथ अफ्रीका से है, जो तेंदा बावुमा की कप्तानी में मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों ही देशों के लिए बेहद अहम है।

ईडन गार्डंस में अभ्यास के दौरान विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पूरी लय में नजर आए। लंबे अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे पंत ने नेट्स पर अपने चिर-परिचित अंदाज में बेखौफ शॉट्स खेले। नेट अभ्यास के दौरान पंत ने तेज और स्पिन दोनों तरह के गेंदबाजों का आत्मविश्वास के साथ सामना किया। उन्होंने लगभग एक घंटे तक बल्लेबाजी की और इस दौरान वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा जैसे स्पिनरों के खिलाफ शानदार स्ट्रोक्स खेले। बल्लेबाजी से पहले पंत ने करीब 15 मिनट का विकेटकीपिंग अभ्यास भी किया। इस पूर्ण अभ्यास सत्र में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने भी लंबा नेट सत्र खेला। जायसवाल और राहुल ने बारी-बारी से तेज और स्पिन गेंदबाजों का सामना किया, जबकि जुरेल ने विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में नेट्स पर अपनी तकनीक पर काम किया।

नीतीश रेड्डी पहले टेस्ट मैच से बाहर

नई दिल्ली। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से खेले जाने वाले मुकाबले के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे। बीसीसीआई ने बुधवार को बताया कि नीतीश को 13-19 नवंबर के बीच राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए टीम के खिलाफ खेली जाने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। तीन मैचों की इस सीरीज में टीम का नेतृत्व तिलक वर्मा करेंगे। बीसीसीआई ने बताया कि वनडे सीरीज खत्म होने के बाद रेड्डी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में वापसी करेंगे। दूसरा मुकाबला 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। टीम के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने जानकारी दी थी कि ध्रूव जुरेल पहले टेस्ट में खेलेंगे, जबकि ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को बाहर बैठना पड़ सकता है।

बातें हैं बातों का क्या: सफाई के दावे हवा-हवाई

» गोमती नगर विपुल खंड ओवरब्रिज के नीचे कूड़े के अंबार से बदहाल व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगह-जगह जमा हैं कूड़े के ढेर

शहर के कई अन्य इलाकों में भी यही हाल है। कहीं कूड़ा जलाया जा रहा है, तो कहीं सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर पड़े हैं। ऐसे में यह साफ दिख रहा है कि निजी कंपनी के आने के बाद शहर की स्वच्छता व्यवस्था और बिगड़ गई है। अब बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की पेमेंट लेने वाली एलएसए कंपनी वास्तव में काम कर रही है या सिर्फ कागजों पर दिखावा हो रहा है?

लखनऊ। राजधानी का गोमती नगर क्षेत्र स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत बयां कर रहा है। विपुल खंड ओवरब्रिज के नीचे दिनोंदिन कूड़े के अंबार लगते जा रहे हैं। जहां एक ओर नगर निगम करोड़ों रुपये खर्च कर प्राइवेट कंपनियों को सफाई का जिम्मा दे चुका है, वहीं दूसरी ओर इन कंपनियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई-कई दिन तक यहां कूड़ा नहीं उठाया जाता।

दुर्गंध और मच्छरों के कारण आसपास रहना मुश्किल हो गया है। बताया जा रहा है कि सफाई का काम देख रही एलएसए कंपनी की लापरवाही के चलते यह स्थिति बनी हुई है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई तो की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या निगम केवल जुर्माने तक सीमित रह गया है?

भजन सरकार की दिशा और नीति दोनों हैं भ्रमित : अशोक गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा में हालात अजीब हैं। वसुंधरा राजे जब मुख्यमंत्री थीं तो थोड़ा अलग चल रही थीं, बाद में संबंध ठीक हुए। लेकिन पता नहीं उन्हें क्यों घर बैठा दिया गया। वे सक्षम हैं, दो बार सरकार चला चुकी हैं।

गहलोत ने आगे कहा कि मुख्य सचिव सुधांश पंत को अचानक दिल्ली भेज दिया गया है, जिससे लगता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्थिति भी कहीं वैसी न हो जाए। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि भजनलाल शर्मा पहली बार विधायक बने हैं और सीधे सीएम बन गए हैं। भगवान ने मौका दिया, लेकिन लगता है वे समझ नहीं पा रहे हैं। सरकार की दिशा और नीति दोनों भ्रमित हैं।

शनिवार को स्कूल से निकला किशोर लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मां के कलेजे का टुकड़े को घर से गए पांच दिन हो गए है लेकिन अभी तक बच्चे का कुछ भी नहीं पता चला है। मां का हाल रो-रो कर बुरा हो गया है। पिता व अन्य परिजनों ने मित्रों व रिश्तेदारों से पता किया सभी जगह निराशा ही हाथ लगी। थक हार कर पिता ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ढूंढने में लगी है पर अब तक उसकी तलाश नहीं हो सकी है। मामला गोमतीनगर के विश्वास खंड 3 का है। परिजनों ने बताया उनका पुत्र सूर्यांश केसरी 8 नवम्बर दिन शनिवार से लापता है।

विश्वास खंड 3 गोमती नगर पिता नाम श्याम जी केसरी ने बताया कि उनका बच्चा 8/11/2025 कि सुबह स्कूल के लिये निकला और अभी तक वापस नहीं आया। काफी खोजबिन करने के बाद उसकी लोकेशन चारबाग रेलवे स्टेशन सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दी। इसके बाद इसका कोई पता नहीं चल पाया है। वह कक्षा 9 का छात्र है। उसने स्कूल की व्हाइट ड्रेस, वाइट शूज पहन रखी है और रेड स्कूल बैग उसके पास है।

कल आएगा बिहार का जनादेश, मतगणना की पूरी तैयारी

सियासी दलों की धड़कने तेज, नेताओं की रात करवट में गुजरेगी, भाजपा, राजद, जदयू के साथ छोटे दलों के प्रदर्शन पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आने हैं। सियासी दिलों की धडंकने बढ़ीं हुई है। आज रात कई नेताओं की रात करवट बदलते बितेगी। अब कल सुबह जब ईवीएम खुलेगा तो देखना दिलचप होगा कि एनडीए गठबंधन की सरकार बरकार रहती या महागठबंधन की वापसी होती। गठबंधनों के साथ राजनीतिक पार्टियों की ताकत का भी पता चलेगा।

जनादेश न सिर्फ सत्ता का रास्ता तैयार करेगा, बल्कि राजग में बड़े और छोटे भाई की भूमिका पर भी अंतिम मुहर लगाएगा। दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद सबकी निगाहें जनादेश के साथ इस पर भी टिकी हैं कि भाजपा और जदयू में किसके हिस्से ज्यादा सीटें आएंगी या राजद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। गौरतलब है कि बिहार की सियासत में जदयू के छोटे भाई के रूप में शुरू हुई भाजपा की यात्रा बीते विधानसभा चुनाव में जदयू के तीसरे नंबर पर खिसकने के कारण टिकट बंटवारे में जुड़वा भाई बनने तक पहुंच गई।

एग्जिट पोल उतरेंगे सही या फटेगी ढोल

दरअसल बीते विधानसभा चुनाव के नतीजे ने जदयू और नीतीश कुमार की साख को गहरा धक्का लगाया। राजद, भाजपा के बाद तीसरे नंबर पर खिसकने के बावजूद नीतीश का सीएम पद तो बरकरार रहा, मगर सरकार गठन में जदयू एक एकाधिकार खत्म हो गया। जदयू को न सिर्फ सरकार में भाजपा को खुद से ज्यादा हिस्सेदारी देनी पड़ी, बल्कि पहली बार नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के दो-दो डिप्टी सीएम बने। हालांकि इसी कार्यकाल में बढ़े तकरार के बीच नीतीश ने पहले भाजपा से नाता तोड़ राजद की शरण ली, मगर चंद महीने बाद फिर राजग में वापसी की।

जदयू ऑफिस के बाहर लगा टाइगर पोस्टर

पटना में जेडीयू के प्रदेश कार्यालय के बाहर ये टाइगर वाला उत्साह दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थन में एक बड़ा और ध्यान खींचने वाला पोस्टर लगाया गया है, जिस पर लिखा है, टाइगर अभी जिंदा है। दलित, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, सवर्ण और अल्पसंख्यक के संरक्षण नीतीश कुमार हैं। ये पोस्टर जेडीयू के एक प्रमुख नेता और पूर्व मंत्री रणजीत सिन्हा की ओर से लगाया गया है।

एग्जिट पोल्स के अनुमान पर भी चर्चा

इस बार करीब एक दर्जन एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में जदयू की सीटों में बढ़ोत्तरी का अनुमान व्यक्त किया गया है। मैट्रिज ने जदयू को 67 से 75 तो भाजपा को 65 से 73 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की है। इन एजेंसियों ने दोनों दलों को करीब-करीब समान सीट मिलने का अनुमान व्यक्त किया है। गौरतलब है कि बीते चुनाव में जदयू की सीटों की संख्या 71 से घट कर 43 और भाजपा की 53 से बढ़ कर 74 हो गई थी।

चिराग व पीके पर भी नजर

निगाहें चिराग पासवान की पार्टी लोजपा आर के प्रदर्शन पर भी टिकी है। बीते चुनाव में अपने दम पर मैदान में उतरे चिराग अपनी पार्टी की लौ तो नहीं जला सके, मगर जदयू की लौ जरूर मद्धम कर दी थी। इस बार स्थिति उलट है। भले ही चिराग को 29 सीटें मिली, मगर उनमें ऐसी 15 सीटें शामिल हैं, जहां राजग एक बार भी चुनाव नहीं जीत पाया। वंही पीके पर भी नजर रहेगी। उनकी पार्टी जनसुराज पहली बार चुनाव लड़ रही है। मुके श सहनी, जीतन राममांझी व उपेन्द्र कु शवाहा समेंत कई अन्य दलों के प्रदर्शन पर भी सबकी नजर रहेगी।

सपा का 'अलविदा चाचा' पोस्टर वायरल

बिहार प्रदेश समाजवादी पार्टी ने एक विवादित पोस्टर जारी किया है, जो सोशल मीडिया और लोकल इलाकों में तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्टर में भाजपा के शीर्ष नेताओं अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्टून स्वरूप आलोचना की गई है, जिसे पार्टी ने 'अलविदा चाचा' नाम दिया है। पोस्टर में अमित शाह और मोदी को एक ऐसे हालात में दर्शाया गया है, जहां जनता की परेशानी, आर्थिक तंगी और सरकारी नीतियों के खिलाफ तीखी टिप्पणियां की गई हैं। पोस्टर में लिखा गया है कि जनता जब हंगार भरे तो महलों की नींव उखड़ती है और सांसे के बल पर ताज हवा में उड़ती है। यह साफ संकेत है कि भाजपा की सरकार पर जनता के भरोसे और स्थिरता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसके साथ ही पोस्टर में महागठबंधन के नेताओं अखिलेश यादव और लालू परिवार की फोटो भी शामिल की गई है, जो समाजवादी पार्टी की तरफ से बिहार में नई सरकार बनाने की उम्मीद को दर्शाता है। पोस्टर में

लिखा है, सिंहासन खाली करो, की 'तेजस्वी सरकार' आती है। धर्मवीर यादव, जो खुद एक्स-प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, इस अभियान के पीछे प्रमुख प्रेरक हैं। उनका मानना है कि जनता अब भाजपा की सरकार से निराश हो चुकी है और बदलाव की ओर बढ़ रही है। उन्होंने साफ कहा है कि बिहार में सत्ता परिवर्तन अवश्य होगा और महागठबंधन की सरकार बनेगी।

राजधानी के विकास को लगेंगे पंख

लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी बैठक में लिए कई अहम निर्णय

» **सोलर पैनल धारकों को टैक्स में छूट, अवैध बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं पर कार्रवाई, कंप्यूटर ऑपरेटरों का वेतन समान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित कार्यकारिणी की स्थगित बैठक को पुन: महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में आरंभ किया गया। बैठक में कार्यकारिणी उपाध्यक्ष चरणजीत गांधी जी, कार्यकारिणी सदस्य, नगर आयुक्त गौरव कुमार, वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस बैठक में शहर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था, आधारभूत संरचनाओं के विस्तार तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और कई प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण और अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया कि जिन नागरिकों ने अपने घरों पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं, उन्हें गृहकर और जलकर में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। नगर निगम का मानना है कि यह कदम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा और ऊर्जा की खपत को कम करेगा। बैठक में कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा के मुद्दे पर भी गंभीर चर्चा की गई। महापौर खर्कवाल ने सभी जोनल अधिकारियों और जोनल सेनेटरी अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक महीने के भीतर शहर में अभियान चलाकर अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को चिह्नित कर शहर से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि लखनऊ की शांति और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में नगर निगम में कार्यरत 102 कंप्यूटर ऑपरेटरों के वेतनमान को एक समान करने का निर्णय लिया गया। अब सभी ऑपरेटरों को प्रति माह 19,800 का वेतन मिलेगा। यह निर्णय लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करता है और कर्मचारियों के बीच समानता व संतोष का वातावरण बनाने में सहायक होगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सख्त अनुपालन

बैठक में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 7 नवम्बर 2025 को दिए गए आदेश के अनुपालन पर चर्चा की गई। अदालत ने सार्वजनिक स्थलों जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, खेल परिसर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि के आसपास स्ट्रीट डॉग्स के बंध्याकरण और टीकाकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा है। नगर निगम ने निर्णय लिया कि ऐसे कुत्तों को टीकाकरण और बंध्याकरण के बाद दोबारा उसी स्थान पर न छोड़ा जाए, बल्कि उनके लिए शेल्टर होम बनाए जाएँ, जहाँ उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

शहर में सड़कों और स्थलों के नामकरण के प्रस्ताव पारित

बैठक में शहर के कई मार्गों और स्थलों के नामकरण से संबंधित प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें अधिकांश को नगर आयुक्त की संस्तुति पर कार्यकारिणी द्वारा स्वीकृति दी गई। चौक वार्ड स्थित चूड़ी वाली गली का नाम अब श्री 1008 तीर्थंकर नेमिनाथ मार्ग होगा। जानकीपुरम द्वितीय वार्ड में रिंग रोड से सहारा स्टेट तक जाने वाले मार्ग का नाम संगीत विदुषी प्रो. कमला श्रीवास्तव मार्ग किया जाएगा। फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड की प्रियदर्शनी कॉलोनी सेक्टर-बी की ग्रीन बेल्ट का नाम अहिल्याबाई होल्कर उपवन रखा जाएगा। अलीगंज वार्ड में मुन्नू साह आटा चक्की मस्जिद के पास पुरनिया रोड पर बनारसी टोला मार्ग का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संत कुमार राय मार्ग के रूप में किया जाएगा।

विधायक निधि से जनसुविधा भवन निर्माण को स्वीकृति

डा. राजेश्वर सिंह, विधायक, सरोजिनी नगर की अनुशंसा पर ग्राम नटकुर (तहसील सरोजिनी नगर) की नगर निगम भूमि पर एक कक्ष निर्माण का प्रस्ताव भी बैठक में प्रस्तुत किया गया। यह निर्माण विधायक निधि से कराया जाएगा, जिसका उद्देश्य जनसामान्य को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। प्रस्ताव को नगर आयुक्त की संस्तुति पर स्वीकृति प्रदान की गई।

घर के बाहर खेल रही मासूम को उठा ले गया भेड़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। जिले में एक बार फिर भेड़िये का आतंक आज फिर देखने को मिला। कैसरगंज तहसील क्षेत्र के गोडहिया नंबर-3, नया लोधन पुरवा गांव में सुबह करीब 10:30 बजे के आसपास भेड़िये ने हमला कर दिया। इस बार उसका निशाना तीन साल की मासूम जाह्नवी पुत्री संतोष बनी। बच्ची अपने घर के सामने धूप में खेल रही थी तभी अचानक भेड़िया आया और उसे उठा ले गया।

घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर भेड़िये का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वह झाड़ियों की ओट लेते हुए गन्ने के खेत में भाग निकला। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और ड्रोन कैमरे की मदद से बच्ची की खोज शुरू कर दी है। ग्रामीण भी टीम के साथ खेतों की तरफ खोजबीन में जुटे हैं।

खूले में जलाया जा रहा कूड़ा, फैल रहा प्रदूषण

जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहीद पथ वृंदावन योजना सेक्टर 8 कू ड़ा जलाया जा रहा है। जलते कूड़ें शहर में प्रदूषण फैला रहा है। जोन 8 के अंतर्गत शहीद पथ के नीचे बनी एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के बगल में खाली पड़े प्लॉट में हार्टिकल्चर को हाईवे के नीचे फुटपाथ के पास सफाई कर जला दिया गया।

4पीएम ने एलडीए नगर निगम से इस हॉल्टीकल्चर कूड़े को जलाने को लेकर बात करी तो दोनों विभागों ने अपने हाथ खड़े कर दिए। उन्होंने यह कर पल्ला झाड़ लिया कि ये काम एलडीए के पास है। वहीं एलडीए ने बताया ये काम हम लोगों के द्वारा नहीं कराया जा रहा है ये प्लॉट

आवास विकास के पास है। बड़ा सवाल ये उठता है कि शहीद पथ की जो सफाई का काम एलडीए द्वारा कराया जा रहा है। वहीं कुछ पुल के नीचे सफाई का काम नगर निगम द्वारा भी कराया गया था। उद्यान अधीक्षक शशिकांत से बात करने के बाद यह बात सामने आई कि नगर निगम द्वारा सफाई का काम अब एलडीए को दे दिया गया है। जिम्मेदारों ने खड़े किए हाथ जनता हो रही है प्रदूषण का शिकार।

सीजेआई पर जूता फेंकना निंदनीय: दिल्ली हाईकोर्ट

» **अदालत की टिप्पणी- ऐसी घटनाएं रोकने के लिए दें सुझाव...**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सीजेआई बीआर गवई पर एक वकील द्वारा जूता फेंके जाने की घटना को घृणा की निंदा की। यह कहते हुए कि इस घटना से न केवल बार के सदस्यों को, बल्कि सभी को ठेस पहुंची है, हाई कोर्ट ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं फिर न हो, इसके लिए उचित कदम उठाए जाने की जरूरत है।

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेदला की बेंच ने कहा कि यह याचिकाकर्ता की चिंताओं को समझती है। शायद उनसे ज्यादा इन्हीं को ठेस पहुंची है। यह किसी व्यक्ति विशेष का मामला नहीं। ऐसी घटनाओं को न केवल निंदा की जानी चाहिए, बल्कि उचित कदम भी उठाए जाने चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए की जिसमें जूता फेंकने की घटना के वीडियो को सोशल मीडिया से हटाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाने का अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता तेजस्वरी मोहन ने कहा कि वीडियो अब भी सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा है। उन्होंने कोर्ट से यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश देने का अनुरोध किया कि यदि भविष्य में ऐसी घटनाएँ होती हैं, तो दोषी व्यक्ति की पहचान छिपाई जाए, ताकि उन्हें प्रचार न मिले। उनका कहना था कि प्रचार न मिलने पर ऐसा करने की सोचने वालों का मनोबल गिरेगा। केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा सर्वोच्च अदालत में दायर याचिका के लंबित होने की जानकारी दी, जिसमें भरी अदालत में सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। शर्मा ने कहा कि वे याचिकाकर्ता की चिंताओं से सहमत हैं, लेकिन बेहतर यह होगा कि मोहन लंबित कार्यवाही के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएँ।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।